

खबर संक्षेप

अदालत से उद्घोषित तीन पीओ गिरफ्तार

रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से पीओ एवं बेल जंपर की धरपकड़ का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस के पीओ स्टाफ ने चेक बाउंस के दो अलग-अलग मामलों में अदालत से उद्घोषित अपराधी जिला झंझर के गांव लोहा खुर्द निवासी मंदीप व गांव बामनौली निवासी बिजेंद्र सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इसी प्रकार एक अन्य मामले में पीएसआई मनीष ने थाना मॉडल टाउन में दर्ज चेक बाउंस के एक मामले में पीओ प्रमानंद निवासी गांव जाटवास को गिरफ्तार किया है।

विधायक का जनसुनवाई कैप सोमवार को कोसली। कोसली के विधायक अनिल यादव 21 सितंबर सोमवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक अपने सेक्टर-1 स्थित कार्यालय में कोसली विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याओं का निराकरण करेंगे। विधायक की ओर से समय-समय पर जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। विधायक ने कहा कि शिविर में कोई भी नागरिक अपनी लिखित शिकायत लेकर आ सकता है।

चित्रकला व रंगोली में किया कला का प्रदर्शन रेवाड़ी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुडौली में सेवा संकल्प अभियान के तहत चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के 110 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर शक्ति केंद्र प्रमुख डा. सुभाष सोनी मुख्य अतिथि और भाजपा मंडलीय मॉडिशा प्रभारी अशोक कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर डा. सोनी ने कहा कि यह एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बच्चों की प्रतिभा की ऊंची उड़ान देने का भी मंच है। प्रभारी प्राचार्य लेखराम ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा जीत का मतलब सब कुछ पा लेना नहीं होता और हार का मतलब जीवन का अवसान नहीं होता। इस अवसर पर मास्टर प्रदीप, मोहित धनखड़, कृष्ण धनखड़, महेश कुमार प्रवक्ता संस्कृत, आशा कुमारी प्रवक्ता राजनीति, मीर सिंह , सतपाल, अनीता, सुनीता, रेणु व जोगेन्द्र उपस्थित रहे।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी।

आस्था व्यक्ति जब सात्विक भोजन करता है तब उसका मन चंचल नहीं होता है, विषय वासनाओं की तरफ नहीं भागता

प्रभु को याद करने से संस्कार बनता है, याद करने से ही वे दया करते हैं

■ **माता सीता भी सती अनसुइया के आश्रम पर जाती और उनसे ज्ञान सुनती थी**

हरिभूमि न्यूज़ ►► बावल

परम संत बाबा उमाकांत महाराज ने कहा कि पहले के समय में गृहस्थों ने यह नियम बना रखा था कि थोड़े समय के लिए दुनिया की चीजों को भूल कर के सुबह-शाम प्रभु को याद करेंगे। घर में ही सही, लेकिन थोड़ी देर भगवान को याद करते ही थे। जो भी उनके वहां का रीति रिवाज था, जिस भी नाम से लोग प्रभु को मानते थे, उस नाम को याद करते थे। लोग आपस में धार्मिक

चर्चाएं करते थे, सुनते थे। छोटे-छोटे बच्चे जो सुनते थे, उनका संस्कार बन जाता था और फिर उनका ध्यान गलत चीजों की तरफ नहीं जाता था। महिलाएं भी सुनती रहती थीं और ज्ञानी हो जाती थीं। सुनते-सुनते ही सती सावित्री के अंदर सतीत्व आ गया, सुनते-सुनते ही सती अनसुइया के अंदर सतीत्व आ गया। माता सीता भी सती अनसुइया के आश्रम पर जाती और उनसे ज्ञान सुनती थीं तो उन पर भी संस्कार बनता था। प्रभु को याद करने से संस्कार बनता है, याद करने से ही वे दया करते हैं और जब दया करते हैं तब कदम-कदम पर दया का अनुभव होता है और ईंसान को उन पर विश्वास हो जाता है।



रेवाड़ी। प्रवचन देते हुए उमाकांत महाराज, सत्संग में मौजूद श्रद्धालु।

आजकल तो प्रभु पर से लोगों का विश्वास ही हट रहा

महाराज ने कहा कि आजकल तो प्रभु पर से लोगों का विश्वास ही हट रहा है। इस शरीर से कर्म ऐसे खराब होते चले जा रहे हैं कि वही जब पहाड़ बन करके सामने आ जाते हैं तब इंसान अंधा सा हो जाता है। छोटे-छोटे बच्चे जो सुबह उठकर के संयम और नियम का पालन करते थे और धूल-मिट्टी में लौट करके, मेहनत करके अपने शरीर को मजबूत किया करते थे। वे बलवान हुआ करते थे, बहादुर हुआ करते थे, लेकिन अब वही बच्चे नशे की आदत में डुबले होते चले जा रहे हैं, उनके शरीर में कोई ताकत नहीं रह जा रही है। मांस जो खाते हैं तथा वह उनके शरीर के अंदर के मांस को खाए जा रहा है। जो भी व्यक्ति संयम नियम का पालन आज भी करता है, उसको ज्ञान रहता है, उनकी बुद्धि सही रहती है। व्यक्ति जब सात्विक भोजन करता है तब उसका मन चंचल नहीं होता है, विषय वासनाओं की तरफ नहीं भागता है।

गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार कब्जे से 160 ग्राम गांजा बरामद

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी

रामपुरा थाना ईंचांज पीएसआई संजय कुमार की टीम ने अवैध नशीला प्रदार्थ गांजा बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव रामपुरा निवासी कालूराम के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 160 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया है। गत 19 सितंबर को थाना रामपुरा पुलिस को सूचना मिली थी की कालूराम निवासी गांव रामपुरा नशीला पदार्थ गांजा बेचने का काम करता है तथा रामपुरा गांव के नजदीक एक कॉलेज के पास गांजा बेचने का काम कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गांजा सहित काबू कर लिया।



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो: हरिभूमि

इयूटी के दौरान अनियमितता बरतने पर एसआई सस्पेंड

रेवाड़ी। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने एक पुलिसकर्मी को सस्पेंड किया है। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 में तैनात एसआई महेंद्र सिंह को इयूटी के दौरान शराब पीकर लोगों से बदतमीजी करने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है। एसपी हेमेंद्र मीणा को गुरुग्राम-कापड़ीवास बॉर्डर पर एसआई के खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं। आरोप था कि वह शराब पीकर लोगों से बदतमीजी करते हैं। इन शिकायतों के बाद एसपी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे सस्पेंड कर दिया गया। इससे दो दिन पहले ही मॉडल टाउन थाने के मुंशी हेड कांस्टेबल दिनेश, सीआईए रेवाड़ी के हेड कांस्टेबल रमेश और विजय को भी सस्पेंड किया गया था। इन पर काम में गड़बड़ी और गलत गतिविधियों में शामिल होने का आरोप था। एसपी ने कहा कि पुलिसकर्मी हो या अधिकारी, सभी को जनता के साथ सही व्यवहार करना होगा। अगर लोगों से बदतमीजी करने की कोई शिकायत मिलती है, तो कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी इकरारनामा बनाकर धोखाधड़ी करने व 5 मामलों में वांछित अपराधी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी

बावल थाना पुलिस ने एक शातिर और आदतन अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान कमल सिंह निवासी गांव सुबासेड़ी के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ पहले से ही 8 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से 5 मामलों में पुलिस को इसकी सरगामी से तलाश थी। पीएसआई अनिल ने बताया कि जुलाई 2025 में शिकायतकर्ता हर्ष निवासी गांव शाहपुरा और रणजीत सिंह निवासी गांव बावल ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि आरोपी कमल सिंह ने उन्हें



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

जमीन बेचने का झांसा दिया था। इसके बाद आरोपी ने एक फर्जी इकरारनामा तैयार कर उनके साथ धोखाधड़ी की। जब पीड़ितों ने अपना पैसा या जमीन मांगी, तो आरोपी ने जमीन और पैसे देने से

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड गिरफ्तार आरोपी कमल सिंह एक आदतन अपराधी है। थाना बावल में इसके खिलाफ पूर्व में ही 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं, धोखाधड़ी, नकली सिक्कों का आयात-निर्यात, सरकार की आरे से लगाए गए भूमि चिह्नों को नष्ट करना व तेज व लापरवाही से वाहन चलाना जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया है।

इंकार कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस टीम ने शनिवार को मामलों में सिलिप आरोपी कमल सिंह को धर दबोचा।

रेवाड़ी वाया नेहरूगढ़ झादौदा, खेड़ी व कंवाली बस संचालन की मांग

कोसली। नेहरूगढ़ गांव की ग्राम पंचायत ने रोडवेज के जिला महाप्रबंधक को मांगत्र देकर कोसली से रेवाड़ी वाया नेहरूगढ़, झादौदा, खेड़ी, कंवाली बस संचालन की मांग की है। ग्राम पंचायत सदस्यों ने कहा कि इस रूट पर कोई यातायात का साधन न होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रातः दैनिक यात्रियों व विद्यार्थियों को रेवाड़ी तथा अन्य शहरों में अपने कार्यों व पढ़ाई के लिए जाना होता है, लेकिन कोई बस का साधन न होने के कारण उन्हें अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ता है। इसमें पूर्व गुजरवास से रेवाड़ी बस का संचालन प्रातः लगभग 8 बजे होता था, लेकिन 3 सितंबर को एक सड़क हादसे के बाद इसको भी बंद कर दिया गया है, जिससे दैनिक यात्रियों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत ने जीएम रोडवेज निरंजन शर्मा से बस का संचालन तुरंत कराए जाने तथा ही रूट पर दिन के समय और बसों का संचालन शुरू किए जाने की मांग की है। सरपंच आशीष प्रजापति ने बताया कि इसके अतिरिक्त कोसली से डहीना तक कोई सीधो बस सेवा नहीं है। डहीना पहुंचने के लिए कनीना होकर जाना पड़ता है, जिससे 12 किलोमीटर की दूरी बढ़कर लगभग 30 किलोमीटर हो जाती है।

त्योहारी सीजन में खराब लाइटों ने बढ़ाई परेशानी, तिरंगा लाइटें भी तोड़ चुकी दम

शहर के सरकुलर रोड सहित कई मार्गों पर रात के समय छाया अंधेरा

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी

शारदीय नवरात्रों के साथ ही त्योहारी सीजन शुरू हो जाता है। नवरात्र शुरू होने में महत 20 दिन ही शेष है। आगामी 11 अक्टूबर से नवरात्र के आगाज के साथ ही त्योहारी सीजन शुरू हो जाएगा, लेकिन शहर के सेक्टर, कॉलोनियों व सरकुलर रोड सहित कई मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें खराब होने से रात के समय अंधेरा छाया रहता है। रात के समय सड़कों पर छाया अंधेरा वाहन चालकों व राहगीरों के लिए परेशानी बना हुआ है। नगर परिषद की ओर से स्ट्रीट लाइटों के मेंटेनेंस का लाखों रुपये का

ठेका देने के बाद भी देखेदेख नहीं की जा रही है। नगर परिषद के अधिकारी भी शहर की लाइटों को चालू कराने के लिए रूचि नहीं दिखा रहे हैं। वर्ष 2024 में नगर परिषद की ओर से दीपावली से पहले शहर के मार्गों पर लगाई गई तिरंगा लाइटें भी दो साल में दम तोड़ चुकी है। वर्तमान में ज्यादातर मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें व तिरंगा लाइटें बंद पड़ी हुई है। शहर के सचिवालय रोड सहित अनाजमंडी रोड, सरकुलर रोड, मेन बाजार, गढ़ी बोलनी रोड, बाइपास, मिनी बाइपास, पुराने हाउसिंग बोर्ड रोड, सेक्टर व कॉलोनियों पर काफी स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हुई है।



रेवाड़ी। नारनौल रोड पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें।

दम तोड़ चुकी लाखों की तिरंगा लाइटें

शहर का सौन्दर्य बढ़ाने के लिए बिजली पोल पर लगाई गई 45 लाख की काफी तिरंगा लाइटें भी खराब होकर दम तोड़ चुकी है। शहर के सरकुलर रोड, मेन बाजार, गढ़ी बोलनी रोड, दिल्ली रोड, बावल रोड व ओवरब्रिज सहित सहित सभी मार्गों पर तिरंगा लाइटें लगाई गई थीं। स्ट्रीट लाइटें व तिरंगा लाइटें खराब होने से शहर की सड़कों पर रात के समय अंधेरा छाया रहता है। स्ट्रीट लाइटों के बंद रहने से रात के समय वाहन चालकों को ज्यादा परेशानी हो रही है। ठेका लेने वाली फर्म की ओर से खराब हुई स्ट्रीट लाइटों व तिरंगा लाइटों की मरम्मत तक नहीं की जा रही है और न ही नगर परिषद की ओर से स्ट्रीट लाइटों को चालू कराने के लिए सजगता बरती जा रही है।



रेवाड़ी। अनाजमंडी रोड खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटें। फोटो: हरिभूमि

चोरी की वारदात भी होने की संभावना

त्योहारी सीजन में मुख्य बाजार में भी खरीददबारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ जाती है। शहर के मेन बाजार मोती चौक सहित केवल बाजार, पुरानी अनाजमंडी, सर्राफा बाजार, रेलवे रोड व बारा हजारी मार्ग सहित कई बाजार स्ट्रीट लाइटें बंद होने से अंधेरे रहता है। बाजार में अंधेरा रहने पर चैन स्क्विंग व चोरी की वारदात भी होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोर कभी भी चोरी की घटना को अंजाम दे सकते हैं। नगर परिषद की ओर से स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने में सुस्ती बरती जा रही है।



रेवाड़ी। ब्रास मार्केट की मुख्य सड़क पर रात के समय छाया अंधेरा। फोटो: हरिभूमि



कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज पूरे पांच दिन बाद सीता अपने कमरे से बाहर निकलने का साहस जुटा पाई। अनमने मन से बरामदे में खड़ी होकर पूरे परिसर पर नजर डालते हुए उसके मन में कोई भाव नहीं था। होता भी कैसे जब जिंदगी में वह हो जाए, जिसकी कल्पना भी न की हो तो बुढ़ापे में सुख-दुःख का एहसास होने को बचता ही क्या है। फिर भी सोच-विचार तो मन का विषय है। तन शिथिल भी रहे तो मन कहाँ रुकता है। शायद तभी तो यक्ष के प्रश्न का उत्तर देते हुए धर्मराज युधिष्ठिर ने सबसे तीव्र गति मन की बताई थी। पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है। जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी। वहां लगे पेड़-पौधों को देखकर उसे कुछ-कुछ अपने प्राइमरी स्कूल जैसा अनुभव हुआ। आज से लगभग सत्तर वर्ष पूर्व जब लड़कियों की पढ़ाई की ओर कोई ध्यान ही नहीं देता था, सीता के पिता ने उसे शिक्षित करने की पहल की थी।

‘पिता’ यादों की गहराई में उतरते ही उसकी आंखों से आंसुओं की अविरल धारा बह चली। बचपन में उसके चंचल स्वभाव व घर-घेर में इधर-उधर दौड़ते रहने की आदत से उसे चिड़िया कहकर बुलाते थे। पिता की देखा-देखी दोनों भाई भी उसे ‘चौंची’ चिड़िया उड़के दिखाओ, थोड़े से तो पंख उगाओ’ कहकर छेड़ते। वह उन्हें मारने दौड़ती -‘आने दो पिताजी को तुम दोनों की शिकायत करूँगी। फिर जब तुमसे सारा दिन खेत में काम करवाया जायेगा तो तुम्हें पता लगेगा।’ और वे दोनों कान पकड़कर क्षमा मांगने की स्थिति में दयनीय मुंह बनाकर सटक जाते। पिता उसे चिड़िया कहते तो उसे अक्सर स्वप्न आता कि वह जैसे चिड़िया की भाँति आसमान में ऊँची उठकर उड़ी जा रही है, लम्बी-लम्बी उड़ाने भरती हुई कहीं घबराती, कहीं आर्नान्दत होती मनचाही जगह जाकर उतरती। जगने पर वह उस सुंदर स्वप्न को याद कर दिन भर अभिभूत हुई रहती। पिता ने उसे प्राथमिक स्कूल की अध्यापिका बनाने के लिए दो वर्षीय अध्यापक प्रशिक्षण में दाखिल के साथ ही जोर-शोर से लड़का देखना शुरू कर दिया।

रामरत्न का साथ पाकर सीता के जीवन में अनन्त खुशियों के साथ दो अनमोल रत्न आये। पति-पत्नी दोनों अध्यापक। बच्चे संभालने के लिए घर में सास थी ही। उस संयुक्त परिवार में सीता अपने हिस्से का थोड़ा-बहुत काम कर पढ़ने में लगी रहती। प्राइवेट स्नातक और फिर बी एड कर वह उच्च विद्यालय की शिक्षिका की पात्रता पा गई। बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए गाय रख ली। सीता अपने आपको दुनिया की सबसे सौभाग्यशाली स्त्री मानती हुई अपने भाग्य पर इतराती रहती। शिक्षित बेटे, शिक्षित

चिड़िया उड़ गई

पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है।

जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी।



बहुएं। घर में छह प्राणी सभी बढ़िया सरकारी नौकरी में। ऐसे परिवार गांव के सम्मानित, संभ्रांत परिवार माने जाते हैं। संयोग देखिये दोनों बहुओं ने कुछ माह के अंतराल पर ही बेटियों को जन्म दिया। दो पोतियों की दादी बना सतीता के लिए उतना उल्लासपूर्ण नहीं था, जितना दो पोतों की दादी बनाता होता। फिर भी समय के साथ दोनों दादी के दिल का टुकड़ा बन गई।

समय अपनी गति से चलता रहा। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। दिशा-निशा दोनों कॉलेज से आकर अपनी माताओं से पहले दादी के पास आकर बैठती, उनसे दिनभर की बातें साझा करती। उनके छोटे भाई दिनेश-सर्वेश माताओं के लाड़ले हैं। भले ही सीता को उनके जन्म पर पोतों की इच्छा थी परन्तु जो स्नेह उसे दिशा-निशा से हुआ वैसा दिनेश-सर्वेश से न हो सका। खुशी भरे इन सालों में वह चिड़िया के पंख लगाकर ही तो उड़ी और अब दुःख शिकारी के जाल में आ फंसी। हष्ट-पुष्ट रामरत्न को एक दिन बुखार हुआ तो उतरने का नाम ही न लिया। तीन सप्ताह के इस डॉक्टर से उस डॉक्टर तक दौड़ते रहने पर भी वह सीता को बेटों के भरोसे छोड़कर अनन्त यात्रा पर निकल गया। सीता के लिए ये तीन हफ्ते जीवन के पैसंड सालों पर भारी थे। यूं तो सीता पहले भी अंतर्मुखी थी, परन्तु रामरत्न के जाने के बाद तो वह अवसाद में ही चली गयी।

‘माँ खाना खा लो’ सुबह बड़ी बहू कहती। ‘रख दो कामना’ ‘माँ लीजिये खाना’ शाम को छोटी बहू कहती। ‘रख दो भावना’ और ‘खाना कब तक रखा रहता, कब

अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाजिमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं।

अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। हौठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में।

से आकर गाय का गोबर उठाती थी, खेत से चारा लाती थी, सानी करती थी ताकि उसके बेटे गाय के दूध का सेवन कर तेजस्वी बनें। अगले छह वर्ष में बेटे बारी-बारी हर पन्द्रह दिन में एक बार आते। वही औपचारिक मिलन, घर-रसोई का सामान ले आना, आवश्यक बैंक कार्य और विदा। जो घर उसका था, सिर्फ उसका, अब उसके अधिकांश भाग पर किरायेदारों का कब्जा था। अवसाद में डूबी सीता अब कभी-कभी बहुत अधिक बोलने लगती। घर की घुटन से उलझ पड़ती। लोगों को लगता कि उसका दिमाग चल गया है। बेटों के कानों तक बात पहुंचने लगी। उसे समझाया गया परन्तु समझाया तो नासमझ को जाता है। वह तो सब जानती थी, सबको जानती थी। रामरत्न के जाने के बाद उसने इन्हें ही तो पहचाना था।

अंततः अब यह सेवा आश्रम ही उसका अंतिम ठिकाना था। यहां उसे लाया गया था बिना कुछ पूछे, बिना कुछ बताये। ‘काश! पिताजी मैं तेरे आंगन की ही चिड़िया रहती’ बुदबुदाती हुई सीता ने आंसुओं से तर चेहरा चुनरी से पोछा। दोपहर हो गई थी। सूर्यदेव शिखर से प्रचंड आग बरसा रहे थे। वह उठकर कमरे की ओर जाने लगी तो शहतूत के पेड़ के नीचे पड़े पत्थर पर कुछ चिड़िया दाना चुगते दिखी। वह उन्हें दूर से ही निहारी रही, कहीं पास जाने से ये उड़ न जायें। तभी उसे अपने निकट आते कदमों की आहट सुनाई दी।

‘दादी’ दिशा-निशा दोनों ने एक साथ कहा।

अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। हौठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में।

‘दादी, कौसी हैं आप’ दिशा-निशा ने उससे लिपटते हुए कहा। ‘अब अच्छी हूँ’ वह फफक पड़ी।

दिशा-निशा ने उसे मुश्किल से चुप कराया। फिर वे दादी को लेकर उनके कमरे में आ गयीं।

‘वाव दादी, कमरा तो अच्छा है।’ दिशा ने कहा।

‘पापा कह रहे थे थोड़ा महंगा जरूर है पर कोई कमी या असुविधा नहीं होगी आपको।’ निशा बोली।

वह समझ गयी पोतियां महज औपचारिकता निभाने आयी हैं। कितनी देर क्या बातें हुईं अपने में ही गुम सीता सुन नहीं पायी। आधे घण्टे बाद वह उन्हें विदा कर कमरे में पड़ी कुर्सी पर बैठी तो सामने पत्थर पर दानें चुग रही चिड़ियां एकाएक फुर्र से उड़ गईं। उन्हें उड़ते देख सीता ने दिशा-निशा की दूर जा रही छायाओं को देखा। उसे एक हिचकी आयी और उसकी गर्दन कुर्सी पर एक ओर लुढ़क रही थी। उसी परिसर के किसी कमरे में गीत बज रहा था ‘चल उड़ जा रे पंछी के अब ये देश हुआ बेगाना।’

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 21 सितंबर 2026

10

पुस्तक समीक्षा

कालजयी पुस्तक है ‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’



समीक्षक

मधुकांत

‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’ केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि हरियाणा की उस वैचारिक और बौद्धिक चेतना का जीवंत साक्ष्य है, जिसे अक्सर मुख्यधारा के साहित्यिक इतिहास में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसकी वह हकदार थी। भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के पावन और ऐतिहासिक अवसर पर इस ग्रंथ का प्रकाशन एक अत्यंत सामयिक और श्लाघनीय कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ के कुशल संपादन में तैयार यह ग्रंथ हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला द्वारा प्रकाशित किया गया है। पुस्तक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा प्रदेश के महत्वपूर्ण हिंदी रचनाकारों के अमूल्य अवदान को एक स्थान पर संकलित कर उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करना है। पुस्तक का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि इसका प्राथमिक लक्ष्य हरियाणा में रचित हिंदी साहित्य के अंतर्गत 75 प्रतिनिधि रचनाकारों के कर्तृत्व और



व्यक्तित्व को एक मंच पर लाना था। इस कसौटी पर यह ग्रंथ पूरी तरह खरा उतरता है। इस ग्रंथ की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुविधतामक होना है। यह किसी एक कालखंड या एक साहित्यिक विधा (जैसे केवल कविता या केवल कहानी) तक सीमित नहीं है। इसमें हिंदी साहित्य के लगभग सभी रूपों जैसे काव्य, गद्य-साहित्य, लोक-साहित्य, इतिहास-लेखन, पत्रकारिता और अनुवाद-कला के विविध आयामों को एक साथ समेटा गया है। पुस्तक में महाकवि सूरदास और गोस्वामी तुलसीदास के साथ हरियाणा के गहरे, ऐतिहासिक संबंधों पर जो प्रामाणिक प्रकाश डाला गया है, वह पाठकों और शोधार्थियों के लिए साहित्यिक इतिहास के वाप झरोखे खोलता है। संपादन की दृष्टि से डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ का अनुभव हर पृष्ठ पर झलकता है। पुस्तक की भाषा-शैली अत्यंत गंभीर, परिमार्जित और तत्समनिष्ठ होते हुए भी बोधगम्य है, जिससे आम पाठक और शोधार्थी दोनों ही बिना किसी उलझन के इसे पढ़ सकते हैं। अपनी प्रामाणिकता, विस्तृत अनुसंधान, विधागत विविधता और समावेशी दृष्टिकोण के कारण यह पुस्तक हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन में एक मील का पत्थर है। यह आने वाली पीढ़ियों, प्राध्यापकों और शोधार्थियों के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शिका का कार्य करेगी।

कवि कॉर्नर

कविता विनोद कुमार



हिन्दी की मंदी

राजभाषा की कुंडली में गह-नक्षत्र की चाल है, हिंदी की लंबी मंदी में आया सितंबरी उछाल है।

देवनागरी की घोड़ी पर रोमन लिपि सवार है, मातृभाषा से अधिक हो रहा आंग्ल भाषा का सत्कार है।

हिंदी पखवाड़े में देखो कार्यशाला और सेमिनार है, सरकारी दफ्तरों में धूम मची, साहित्यिक गोष्ठियों में चित्कार है।

कहीं निबंध, कहीं भाषण है, कहीं पुरस्कारों की बहार है, सितंबर में हर तरफ चल रही हिंदी सेवा की बहार है।

चिंता है, चिंतन है, हिंदी पर खूब मंथन है, पखवाड़े में हिंदी-हिंदी, बाकी दिनों में अंग्रेजी की बहार है।

कॉलेज से लेकर कोर्ट तलक जब अंग्रेजी का मायाजाल है, हिंदी को अपनाईं कैसे? यही सबसे बड़ा सवाल है।

दोहे

नरेन्द्र कुमार



जैसे को तैसा

प्रकृति के साथ तुमने, जो जुलूम किया था। जीते जी जानवरों का, जो खून पीया था।।

जंगल झाड़ू को तुमने, जो नाश किया था। इस आसमान को तुमने, जो धुआं दिया था।।

ये सब उसी का परिणाम, तुम मर रहे हो। अपनी करनी अपने आप, अब भुगत रहे हो॥

खिन जुर्म के कैदी सा, जीवन जी रहे हो। अपने घर में डर-डर के, जहर पी रहे हो॥

छोटे से कण ने क्या? कोहराम मचाया। वो एटम बम भी किसी के, ना काम आया॥

जोड़ -जोड़ धर राख्या, वो भी ना खया। घर से बाहर निकलते ही, मौत का साथ।।

हे भगवान ! ये तेरी, कैसी माया है ? कई दिन में नरेन्द्र की ,समझ में आया है॥

हुड़दंग से आंसू बहाता लोकतंत्र

व्यंग्य

आसिम अनमोल



इन दिनों सच और झूठ का सबक बड़े ही कलात्मक ढंग से सिखाया जा रहा है। जेन जी के साथ संवाद करने की कला को वाई के आकार के बने रैंप पर चलकर युवाओं के दिलों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। देश की सियासत महंगाई और विकास के नाम पर भली ही टाटा, बाय-बाय कर ले। लेकिन लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता इतना चमकदार और मजबूत होना चाहिए। लोग बातों में ही खोए रहें, और बहकते रहें। हमारे देश में जो दिखता है वही बिकता है। इसी तर्ज पर भारतीय राजनीति में जितना शाब्दिक हुड़दंग होगा, उतना ही राजनीति करने वालों के प्रति लोग आकर्षित नजर आएंगे।

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है। बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है। बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा सकते हैं और न ही मीडिया की नजर में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेंटेज बढ़ा सकते हैं।

सकते हैं और न ही मीडिया की नजर में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेंटेज बढ़ा सकते हैं। राजनीति में हुड़दंग बड़ी ही मुफीद चीज है साबित होती है। जब तक हुड़दंग नहीं होगा, तब तक हाई कमान के द्वारा तक कोई खास निर्णय नहीं लिए जाएंगे। इसलिए राजनीतिक हुड़दंग कभी भी आम ईंसान को मयसर नहीं होती। न ही उसको हाई कमान की तरफ से चुनाव लड़ने के

लायक समझा जाता है। जो हुड़दंग करके सैकड़ों-लाखों की भीड़ इकट्ठा करने में सक्षम होता है। उसको ही मैदान में धकेला जाता है। यह हुड़दंग का ही तो कमाल होता है कि हमारे माननीयों द्वारा सदन तक में एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने व मेज़ कुर्सी तोड़ने का प्रयास किया जाता है। वो तो गनीमत रहता है कि जिस्म के निचले हिस्से के वस्त्रों ने कभी कोई विरोध की आवाज नहीं उठाई। वर्ना

एक और अजूबा रिकार्ड राजनीति के इतिहास में दर्ज होकर रह जाता। हुड़दंग अपने आपमें कुशल राजनीति करने का अभिन्न अंग बन चुका है। हुड़दंग एक अदना से कार्यकर्ता को भी लाइम लाइट में लाकर विभिन्न चैनलों का बादशाह बना देता है। हुड़दंग ही कभी-कभी जनता को जागरूकता की ओर अग्रसर कर देता है। कभी-कभी सार्थक हुड़दंग से ही सत्ता परिवर्तन हो जाता है। हुड़दंग अगर न होता तो राजनीति की कोई पूछ ही नहीं होती।

राजनीति का प्लेटफार्म हाशिये पर लावारिश पड़ा होता। यह हुड़दंग की ही जर्रा नवाजी है। जिसने हाथ पैर उछाल-उछालकर, गुला फाड़ फाड़कर राजनीति को एक नामचीन चीज बना दिया। यह हुड़दंग की ही पावर है जो बड़े-बड़े प्रस्ताव को भी मंजूर कराने की हिम्मत रखता है। हुड़दंग ही एक ऐसा पासा है जो राजनीतिक जमीन पर जब पेंका जाता है तो लोकतंत्र भी बेचारा आंसू बहाता नजर आता है।

लघु कथा

दो लिफाफे

सड़क किनारे दो-तीन मूंगफली वाले अपनी-अपनी रेहड़ी लगाए बैठे थे। एक रेहड़ी पर काफी भीड़ थी। जोगिंदर भी उसी ओर बढ़ गया। उन्होंने देखा, लगभग सोलह-सत्रह साल का लड़का तेजी से मूंगफली तौल-तौलकर लोगों को दे रहा था। मूंगफली एक लिफाफे में डालने के बाद वह उसे एक और लिफाफे में रखकर ग्राहक को देता था। जोगिंदर



डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

का नंबर आया तो उसने पूछा, “एक लिफाफे में डालने के बाद दूसरे लिफाफे में क्यों डालते हो? आजकल दुकानदार तो एक लिफाफा भी बड़ी मुश्किल से देते हैं।” लड़के ने मुस्कराकर लिफाफे की ओर इशारा किया, “साहब, शायद आपने लिफाफे के बाहर लिखा हुआ नहीं पढ़ा।” जोगिंदर ने लिफाफा देखा। उस पर लिखा था—

“मूंगफली खाने के बाद कृपया छिलके इसमें डालें। गांठ लगाकर पास के डस्टबिन में डाल दें।” जोगिंदर ने आश्चर्य से पूछा, “लेकिन अगर लोग तुम्हारी बात नहीं मानेंगे तो?” “सभी नहीं मानेंगे, साहब,” लड़का सहजता से बोला, “लेकिन कुछ तो जरूर मानेंगे।” वह थोड़ी देर रुका और फिर बोला, “लोग मूंगफली खाकर टून के डिब्बों में, बसों में, सड़क

किनारे और पार्कों में हर जगह छिलके डाल देते हैं। अपना घर साफ रखते हैं, लेकिन बाहर की सफाई को अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते। मैंने सोचा, अगर मैं अपनी ओर से छोटा-सा प्रयास करूं तो शायद अपने राष्ट्र के स्वच्छता अभियान में थोड़ा-सा योगदान दे सकूँ।”

जोगिंदर के पास कोई जवाब नहीं था। उसकी नजर फिर उस लड़के पर पड़ी। उसे लगा, हम पढ़े-लिखे लोगों से तो यह अनपढ़-सा लड़का कहीं आगे निकल गया- राष्ट्र की सेवा का अर्थ समझने में।

करियर विकल्प

डिजिटल मार्केटिंग की जरूरत आईटी, ई-कॉमर्स, एजुकेशन, बैंकिंग, हेल्थकेयर, रियल एस्टेट, होस्पिटैलिटी, ऑटोमोबाइल, रिटेल और स्टार्टअप सहित कई इंडस्ट्री में है।

■ एसईओ स्पेशलिस्ट – वेबसाइट की सर्व इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग बेहतर करना।

■ गुगल एड्स स्पेशलिस्ट – पेड एडवर्टाइजिंग कैंपेन और कन्वर्जन को मैनेज करना। डिजिटल मार्केटिंग में सफल करियर के लिए केवल कोर्स या सर्टिफिकेट पर्याप्त नहीं है। प्रैक्टिकल रिकल्स, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटरनशिप, पोर्टफोलियो और लगातार सीखने की आदत आपको इंडस्ट्री के लिए अधिक जॉब-रेडी बना सकती है।

सैलरी इन इंडिया

डिजिटल मार्केटिंग सैलरी इन इंडिया उम्मीदवार की रिकल्स, अनुभव, लोकेशन, कंपनी और स्पेशलाइजेशन पर निर्भर करती है। फ्रेशर्स आमतौर पर एंट्री-लेवल रोल से शुरुआत करते हैं, जबकि एसईओ, परफॉमेंस मार्केटिंग, गुगल एड्स, एनालिटिक्स और एआई टूल्स में सर्टिफिकेशन रखने वाले प्रोफेशनल्स अनुभव के साथ बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य शिक्षित सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप Career Jaano पर भी विजिट कर सकते हैं।

एसपी ने सोशल मीडिया पर संदिग्ध संपर्क से सतर्क रहने की दी सलाह

पाकिस्तानी खुफिया नेटवर्क के डिजिटल जाल से रहें सावधान

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से न करें दोस्ती, आर्थिक लाभ के झांसे में आकर किसी को न दें निजी जानकारी

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिले के युवाओं को सोशल मीडिया एवं डिजिटल माध्यमों के जरिए होने वाले संदिग्ध संपर्कों के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है। सुरक्षा एजेंसियों के सामने ऐसे मामले आए हैं, जिनमें पाकिस्तान-आधारित खुफिया नेटवर्क से जुड़े संदिग्ध ऑपरेटिव्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय लोगों से संपर्क करने और संवेदनशील जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। एसपी ने कहा कि डिजिटल दुनिया में किसी अनजान व्यक्ति की पहचान केवल उसकी प्रोफाइल देखकर सुनिश्चित नहीं की जा सकती। इसलिए सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती, संदिग्ध नौकरी के प्रस्ताव, आर्थिक लालच या निजी बातचीत के दौरान विशेष सावधानी बरतना जरूरी है।

इन तरीकों से बनाते हैं निशाना

फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल से दोस्ती: फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी नाम और फोटो से प्रोफाइल बनाकर दोस्ती की जा सकती है। बातचीत बढ़ाकर निजी फोटो, वीडियो, मोबाइल नंबर या अन्य जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जा सकता है।
भावनात्मक जुड़ाव और हनीट्रैप: किसी अनजान व्यक्ति द्वारा लगातार बातचीत, भावनात्मक संबंध या निजी बातचीत के माध्यम से विश्वास हासिल करने के बाद संवेदनशील जानकारी लेने अथवा ब्लैकमेल करने का प्रयास किया जा सकता है।
नौकरी और ऑनलाइन कमाई का लालच: वर्क फ्रॉम होम, डेटा एंट्री, ऑनलाइन टास्क या ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर युवाओं से फोटो, दस्तावेज, मोबाइल नंबर, लोकेशन या अन्य जानकारी मांगी जा सकती है।
विदेशी नंबरों से संदिग्ध संपर्क: +92 अथवा किसी अन्य विदेशी या अनजान नंबर से आने वाली संदिग्ध कॉल, संदेश या व्हाट्सएप लिंक पर सावधानी बरते। लॉटरी, इनाम, नौकरी या आर्थिक लाभ का लालच देकर भेजे गए लिंक पर क्लिक न करें और किसी भी प्रकार का भुगतान न करें।
धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग: किसी व्यक्ति या समूह की ओर से सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को मड़काने, उकसाने या देश विरोधी गतिविधियों के लिए प्रभावित करने का प्रयास किया जाए तो उससे दूर रहें और पुलिस को सूचना दें।

संवेदनशील जानकारी साझा करना पड़ सकता है भारी



एसपी मीणा ने कहा कि युवा किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ सैन्य या सुरक्षा प्रतिष्ठानों की फोटो, वीडियो, लोकेशन, सुरक्षा व्यवस्था, सरकारी संस्थाओं से जुड़ी संवेदनशील जानकारी अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी छेटी या सामान्य दिखाई दे सकती है, लेकिन उसका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है।
हाल के एक मामले में एनआईए ने पाकिस्तान-आधारित ऑपरेटिव्स से जुड़े कथित जासूसी नेटवर्क की जांच के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और संवेदनशील दस्तावेज बरामद किए थे। किसी संदिग्ध नेटवर्क के संपर्क में आकर यदि कोई व्यक्ति गैर-कानूनी गतिविधि में शामिल हो जाता है या संवेदनशील जानकारी उपलब्ध कराता है तो उसके गंभीर कानूनी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई संदिग्ध कार्य न करें और संदेह होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

मनोविज्ञान के विद्यार्थियों ने किया राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र का भ्रमण

■ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कक्षा के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गीरपुर



रेवाड़ी। विद्यार्थियों को भ्रमण के लिए रवाना करते कुलसचिव। फोटो: हरिभूमि

अनुसंधान केंद्र जैसे देश के शीर्ष संस्थानों का भ्रमण विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाएगा तथा उनमें वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना को प्रवर्धित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने विद्यार्थियों के दल को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण ज्ञान को कक्षा की चारदीवारी से बाहर ले जाकर वास्तविक शोध एवं वैज्ञानिक गतिविधियों से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक शैक्षणिक अनुभव विद्यार्थियों में छिपी शोध प्रतिभा को उभारने और उन्हें वैश्विक स्तर की चुनौतियों का

सामना करने के लिए तैयार करने में मील का पत्थर साबित होते हैं।
व्यावहारिक एवं संज्ञानात्मक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता एवं मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्षा डा. मंजु पुरी ने कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक भ्रमण विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन और अनुसंधान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को विशेषज्ञों एवं शोधकर्ताओं की ओर से न्यूरोन्स, तंत्रिका तंत्र तथा सीखने, स्मृति, भावनाओं, निर्णय लेने व भाषा नियंत्रण में मस्तिष्क की भूमिका के बारे में जानकारी मिली।



नारनौल। गणेश उत्सव को संबोधित करती मंगलमुखी समाज की बहन।

मंगलमुखी समाज की बहनों का स्वागत

नारनौल। गणपति प्वाजा गांधी बाजार में आयोजित गणेश उत्सव के दौरान मंगलमुखी समाज की बहनों का मध्य स्वागत किया गया। समाजसेवी वैद्य किशन वशिष्ठ के नेतृत्व में मंगलमुखी समाज की अध्यक्ष बहन महक एवं उनकी पूरी टीम का आजाद चौक से गणपति उत्सव स्थल तक दोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान आजाद चौक पर श्रद्धालुओं ने पुष्पचर्चा कर मंगलमुखी समाज की बहनों का अभिनंदन किया। वैद्य किशन वशिष्ठ की अगुवाई में आयोजित स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में गणेश भक्त शामिल हुए। आजाद चौक से गणपति उत्सव स्थल तक दोल-नगाड़ों एवं गाजे-बाजे के साथ स्वागत यात्रा निकली गई। रास्ते में श्रद्धालुओं ने पुष्पचर्चा कर बहन महक एवं उनके साथ आई सभी बहनों का स्वागत किया। इस अवसर पर सरदार सर्वजीत सिंह, बाबूआई गंगाराम प्रजापत, नवनीत चौधरी, सुनीता वशिष्ठ, कमिका वशिष्ठ, कुमकुम सोनी, सोनू सोनी, केशव सोनी, शेखर प्रजापत, मोनू प्रजापत, मनीष गोयल, पंकज जैन, इंदु जागिड़, नरेश कुमार, नरेश सैनी, नरेश गर्ग, यमन गर्ग, मनोज गर्ग, दीक्षित गर्ग, विकी गर्ग, यशपाल शर्मा, सरदार मनोहरजीत सिंह, राजकुमार जसोरीया, विक्रम शर्मा और राजेंद्र गोयल सहित बड़ी संख्या में गणेश भक्त मौजूद रहे।

एससी बस्तियों में जनसंपर्क कर दिया देवीलाल सम्मान दिवस का न्योता

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ महेंद्रगढ़

जननायक चौधरी देवीलाल के सम्मान दिवस के उपलक्ष्य में 27 सितंबर को नूंह में आयोजित होने वाले समारोह को लेकर इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की ओर से महेंद्रगढ़ जिले में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। रविवार को कार्यक्रमों में जिले के विभिन्न गांवों की एससी बस्तियों में पहुंचकर लोगों को सम्मान दिवस समारोह का निमंत्रण दिया और अधिक से अधिक संख्या में नूंह पहुंचने की अपील की। 27 सितंबर को नूंह में देवीलाल सम्मान दिवस समारोह आयोजित किए जाने की आजकल तैयारियां चल रही हैं। जनसंपर्क के दौरान प्रदेश एससी सेल के अध्यक्ष रामेश्वर पहलवान एवं प्रदेश उपाध्यक्ष वेदप्रकाश नंवरलाल ने चौधरी देवीलाल द्वारा वंचित एवं कमजोर वर्गों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देवीलाल ने एससी-बीसी वर्ग के लिए चौपालों में विभिन्न सुविधाओं और सहायता योजनाओं को बढ़ावा दिया।



महेंद्रगढ़। देवीलाल जयंती का निमंत्रण देते हुए।

ये रहे मौजूद

एससी नेताओं ने कहा कि देवीलाल के कार्यकाल में बुजुर्गों के लिए पेंशन, कन्यादान तथा प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों और मजदूरों को मुआवजा देने जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया। उनके अनुसार, ग्रामीण और कमजोर वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में भी उनके कदम उठाए गए थे। इस दौरान महेंद्रगढ़ जिला अध्यक्ष ज्ञानेश्वर मिश्र, रमेश प्रधान, कपिल मिश्र, विक्रम, राजेश कुमार, बलवान सिंह, जितेंद्र, सत्यवीर सहित अन्य कार्यक्रमकर्ता मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को सर्पदंश से बचाव व उपचार के लिए टिप्स

रेवाड़ी। राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य विनोद यादव के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद मनोज वशिष्ठ ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सर्पदंश को डब्ल्यूएचओ की ओर से घोषित उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग के बारे में बताया गया। मनोज वशिष्ठ ने कहा कि सर्प केवल विष नहीं, सृष्टि के संतुलन का सूत्र है। 97 प्रतिशत सांप हमारे मित्र हैं। एक धामन सैकड़ों चूहों को खाकर हमारे खेत की रक्षा करता है। हमें सर्प से घृणा नहीं, सम्मानजनक दूरी का संबंध रखना चाहिए। सर्पदंश पर मृत्यु विस से नहीं, अंधविश्वास और विष से होती है। उन्होंने भारत के तीन प्रमुख जानलेवा सर्प भारतीय नाग, कॉमन करैट (साइलेंट किलर) और रसल वाइपर की पहचान और बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम में प्रवक्ता जितेंद्र दखोरा का भी योगदान रहा।

सीएम को पार्ट टाइम कहना दीपेंद्र हुड़ा की हताशा: पोपली

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पार्ट टाइम मुख्यमंत्री कहने पर भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा की सोच की निंदा की है। डा. पोपली ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा का यह बयान उनकी हताशा और संकीर्ण राजनीतिक सोच को दर्शाता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी केवल प्रदेश की सीमाओं में बंधे हुए नेता नहीं हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में जाना, वहां लोगों से संवाद करना, भाजपा के पक्ष में माहौल बनाना और पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के रूप में अपनी भूमिका निभाना भी एक सार्वजनिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा को मुख्यमंत्री के हर दौर में राजनीति दिखाई देती है, लेकिन जनता से जुड़ने का प्रयास दिखाई नहीं देता। उन्हें पार्ट टाइम मुख्यमंत्री कहना दीपेंद्र हुड्डा की राजनीतिक समझ पर सवाल खड़ा करता है।



डा. पोपली ने कहा कि मुख्यमंत्री की कार्यशैली कागजों और बयानों तक सीमित नहीं है। वे लगातार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों से मिलते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और अधिकारियों के साथ संवाद कर समाधान की दिशा में काम करते हैं। कांग्रेस को हरियाणा के मुख्यमंत्री की सक्रियता पर सवाल उठाने के बजाय अपनी राजनीति की दिशा पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा राजनीति में शब्दों का इस्तेमाल बहुत आसान है, लेकिन जनता के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहना आसान नहीं। उन्होंने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा को राजनीतिक तंज कसने के बजाय मुख्यमंत्री की सक्रियता को जनता की नजर से देखने की जरूरत है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्ट टाइम मुख्यमंत्री जैसा बयान देने से सीएम नायब सैनी की सक्रियता कम नहीं होगी और न ही कांग्रेस की राजनीतिक जमीन मजबूत होगी।

भारत विकास परिषद शाखा ने स्थापना दिवस पर किया सेहत के प्रति जागरूक

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नारनौल

भारत विकास परिषद शाखा की ओर से 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर निजी हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। जिसमें डॉ. धीरज दुबे व डॉ. प्रवीण गुप्ता ने मुख्य वक्ता रहे। जिन्होंने जोड़ों के दर्द के कारण, आधुनिक जोड़ प्रत्यारोपण तकनीक, रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याओं, उनके लक्षण और नई उपचार पद्धतियों के बारे में बताया। क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव महेंद्र शर्मा ने भारत विकास परिषद में शामिल हुए नए सदस्यों सुनील जैन, मनीष जैन व पवन गर्ग को शपथ ग्रहण करवाई। अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया कि शाखा ने अपने 33 वर्षों के कार्यकाल



नारनौल। कार्यक्रम में अतिथिगण को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बजरंग लाल गुप्ता, नरेश गोगिया, लड्डी वशिष्ठ, सुभाष कश्यप, दिनेश सांखला, नवीन गुप्ता, मधुर गर्ग, सतीश मल्ला, डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, अशोक कुमार, पवन अरोड़ा, धर्मानारायण शर्मा, कविंद्र सचदेवा, अश्वनी कटारिया, सुभाष सिंगला, नरोत्तम सोनी, राहुल वर्मा, सुनील मिश्र, मीतू जैन, शारदा बोहरा, महक शुक्ला, पूजा गर्ग, प्रीति शर्मा, पूजा सैनी आदि मौजूद रहे।

में अनेक नेत्र ऑपरेशन, स्वास्थ्य एवं जनहित के कार्यक्रमों से समाज शिविर, रक्तदान शिविर, आनंद रसोई की सेवा का प्रयास किया है।

पहल

छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से आमजन को किया जागरूक

नशे से दूर रहकर परिवार, मित्रों और समाज को नशामुक्त बनाने में भूमिका निभाएं युवा: लक्ष्मण

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी



कहा कि युवा इस संकल्प को केवल एक शपथ तक सीमित न रखते हुए इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा स्वयं नशे से दूर रहते हुए अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर अभियान चलाकर नशामुक्त भारत का संकल्प लिया गया। युवाओं ने नशा मुक्त युवा सेल्फी अभियान में भाग लेकर नशामुक्ति का संदेश



दिया तथा वीबीवाईएलडी विक्ज में भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रीजनल सेंटर कृष्ण नगर से डा. अनिल की ओर से प्रशिक्षित छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। छात्रा निधि, विजेता, बबीता, रीतू, ज्योति, सोनिया, राधिका एवं मुकेश ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे से होने वाले सामाजिक, शारीरिक एवं

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सिटी थाना एसएसएओ सुब्र सिंह, आरपीएफ के एसआई रवि कुमार, एसआई अशोक कुमार व एसआई ध्यान सुंदर सहित शर्मिला, राकेश, नरेश व तरुण यादव मौजूद थे।

सहित यतिन, संदीप, कुलदीप, सुधांशु, आंचल, रवि सैनी एवं रिकू ने भी सहयोग दिया।

सरकारी सेवाओं और उद्योगों में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों पर किया विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बावल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बलदेव राज काम्बोजे के मार्गदर्शन में कृषि महाविद्यालय बावल में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 14 दिवसीय दीक्षाबंध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति ने प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि आज के समय में कौशल नवाचार एवं उद्यमिता युवाओं के लिए प्रगति के नए अवसर उपलब्ध

करवा रहे हैं तथा विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित न रहकर कौशल आधारित संभावनाओं के अनुरूप अपने आप को बनाना होगा। कृषि स्नातकों के लिए अनुसंधान, सरकारी सेवाओं एवं उद्योगों में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों के बारे में भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विद्यार्थियों के बीच आपसी मेल-जोल एवं टीम भावना बढ़ाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। विद्यार्थियों को कला एवं संस्कृति से जोड़ने के

लिए लाइव पेंटिंग, नाटक, नुकड़ नाटक एवं संगीत से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गईं। कलाकार डा. अमन यादव ने विद्यार्थियों के समक्ष लाइव पेंटिंग प्रस्तुत की। थिएटर कलाकार डा. देशराज मीणा ने नाट्यकला एवं नुकड़ नाटक के माध्यम से मनोरंजन के साथ सामाजिक जागरूकता के महत्व को समझाया। संगीतकार डा. दीपक चौहान ने संगीत की भूमिका तथा कलात्मक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रभावी

बातचीत, सड़क सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं नागरिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई। साथ ही आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था और कृषि के भविष्य से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। कृषि शिक्षा को व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने के लिए विद्यार्थियों ने उद्यान विज्ञान, मृदा विज्ञान, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, कृषि अभियांत्रिकी, सूत्रकृमि विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव रसायन, बीज विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं पशुपालन से संबंधित

प्रयोगशालाओं व अनुसंधान क्षेत्रों का भी दौरा किया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। खेल गतिविधियों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना और व्यक्तित्व विकास के महत्व पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज सेवा में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कृषि में उपयोग, सटीक खेती, फसल निगरानी एवं कृषि आंकड़ों के बारे में जानकारी दी

कलाकार डा. अमन यादव ने छात्रों के समक्ष लाइव पेंटिंग प्रस्तुत की

आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था और कृषि के भविष्य से संबंधित जानकारी साझा की



रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद प्राचार्य, शिक्षक व विद्यार्थी।

फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

डा. शरणजीत धवन ने भोजन एवं पोषण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डा. तन्वी, डा. प्रवीन शर्मा, डा. प्रवीन निंबरायन, डा. योगेश गुर्जर, डा. भारत तिदू जैन, डा. राहुल कुमार, डा. प्रीति, डा. पूजा, डा. हरीश, डा. सुनीता, डा. अमिषेक, डा. अनिल कुमार मलिक तथा डा. चरण सिंह शेखे सहित महाविद्यालय के अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। मंच संचालन मुकुल और अदिति ने किया। डा. तन्वी ने प्राचार्य सभी का आभार व्यक्त किया।

कुलपति प्रो. असीम की अध्यक्षता में आईजीयू मीरपुर कार्यकारिणी परिषद की 52वीं बैठक

अनुबंधित कर्मचारियों के सेवा विस्तार व वेतन संरक्षण से जुड़े मामलों को स्वीकृति



रेवाड़ी। बैठक में मौजूद कुलपति, कुलसचिव व अन्य स्टाफ सदस्य।

फोटो : हरिभूमि

नए संस्थानों की स्थापना

विश्वविद्यालय में आधुनिक व रोजगारपरक शिक्षा के विस्तार के लिए बहुविषयक अध्ययन संस्थान तथा विश्वविद्यालय अभियांत्रिकीय एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई।

पीठों में पीएचडी की अतिरिक्त सीटों की स्वीकृति

कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि कार्यकारिणी परिषद विश्वविद्यालय की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था है। अकादमिक काउंसिल से अनुशंसित श्रीमद्भगवद्गीता पीठ की स्थापना, पीठों में पीएचडी की अतिरिक्त सीटों की स्वीकृति, नए बहुविषयक संस्थानों का गठन तथा कार्यकारिणी परिषद द्वारा प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस व विभिन्न सलाहकारों की नियुक्ति जैसे ऐतिहासिक निर्णयों को अंतिम रूप दिया गया है। ये कदम आईजीयू को राष्ट्रीय स्तर पर एक उत्कृष्ट शैक्षणिक व शोध केंद्र के रूप में स्थापित करेंगे।

नए अध्यादेशों को स्वीकृति दी

अकादमिक काउंसिल की ओर से अनुमोदित 5-वर्षीय एकीकृत युजी-पीजी पाठ्यक्रम तथा बीकॉम (नॉजिस्ट्रिक्स एंड सल्लाह चैन मैनेजमेंट) के नए अध्यादेशों को स्वीकृति दी। विभिन्न डिग्री, लॉ व इंजीनियरिंग कॉलेजों की सम्बद्धता विस्तार तथा अकादमिक काउंसिल से अनुशंसित माता राज कौर इंस्टीट्यूट में सत्र 2026-27 से बीटक और एमबीए नए पाठ्यक्रमों के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की।

ये रहे मौजूद

बैठक में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजय कौशिक, डा. बीआर अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी सोनीपत के कुलपति प्रो. देवेंद्र सिंह, अधिष्ठाता अकादमिक मामलों प्रो. सुनील कुमार, प्रो. निखिलेश यादव, प्रो. पंकज कुमार त्यागी, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. रवींद्र, डा. कविता गुप्ता व डा. मुकेश कुमार सहित परिषद के अन्य सदस्य मौजूद थे।

स्वतंत्रता सेनानी डूंगरमल की जयंती पर कार्यक्रम नवंबर में, सीएम से मांगा समय

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

स्वतंत्रता सेनानी डूंगरमल धानक की जयंती नवंबर माह में मनाई जाएगी। धानक समाज की ओर से प्रति वर्ष जिले में स्वतंत्रता सेनानी डूंगरमल धानक की राज्यस्तरीय जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष भी धानक समाज के सभी लोग और समाज की सभी संस्थाएं मिलकर जयंती धूमधाम से मनाएंगे। कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और राजस्थान के समाज के लोग शामिल होंगे हैं। टीनू प्रधान ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी डूंगरमल धानक ने देश की आजादी के काफी संघर्ष किया। कार्यक्रम



रेवाड़ी। विधायक से मुलाकात करते धानक समाज के लोग।

के आयोजन को लेकर समाज के लोगों ने रविवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव से मुलाकात की और जयंती पर मुख्यमंत्री नाथन सिंह सैनी से बतौर मुख्यअतिथि समय दिलवाने की मांग की। विधायक ने आश्वासन दिया गया कि वे सीएम समय दिलाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे। इस अवसर पर सुभाष सोलंकी, दलीप डाबला, हरिराम पूर्व सरपंच, विजय

इंदौरा, दयाराम मोरवाल, अशोक मसीत, देशराज डाबला, भ्रमदत्त थानेदार, प्रेम प्रकाश मोरवाल, देवेंद्र खरेरा, अतार सिंह खटक, प्रभाती लाल, नरेंद्र सोलंकी, सोनूराम, मकसूद खान, राजपाल ख न ग व ल , प्र का श खनगवाल, जगत निनानिया एडवोकेट, पंकज किराड, सलिल, हरि सिंह, तेज सिंह, बलवंत सिंह, सोनू, बंसीलाल व आशु उपस्थित थे।

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के आह्वान पर प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देशानुसार 29 सितंबर को सुबह 10 बजे से 30 सितंबर सुबह 10 बजे तक जिला मुख्यालयों पर 24 घंटे का धरना दिया जाएगा। इस दौरान पेंशनर्स अपनी 12 सूत्रीय मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करेंगे तथा प्रधानमंत्री के नाम उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपेंगे। धरने की तैयारियों को लेकर रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान आरडी शर्मा ने की। बैठक में पेंशनर्स की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रमुख मांगों में मार्च 2025 में संसद में पारित वित्त विधेयक के भाग-4 को वापस



लेने या रद्द करने, आठवें वेतन आयोग में पूर्व की भांति पेंशनर्स को सभी लाभ देने, केशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा मेडिकल भत्ता बढ़ाकर 3000 रुपये करने की मांग शामिल रही। इसके अलावा पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, एनपीएस और यूपीएस को मान्य नहीं करने, 18 माह के बकाया डीए का ब्याज सहित भुगतान करने, पूर्व की भांति रेलवे एवं हवाई यात्रा में 50 प्रतिशत छूट देने तथा आठवें वेतन आयोग के लागू

होने तक 20 प्रतिशत अंतरिम राहत देने की मांग उठाई गई। पेंशनर्स ने पेंशन के रूपांतरण की वसूली अवधि को घटायकर 10 वर्ष 8 माह करने तथा बढ़ती उम्र के साथ मूल पेंशन में वृद्धि करने की मांग भी रखी। बैठक में बताया गया कि आगामी 12 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारेली आयोजित की जाएगी, जबकि 13 दिसंबर को संयुक्त कांग्रेस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विभिन्न टीमों का गठन कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में कुलदीप सिंह यादव, आरएस सांभरिया, मनपूरी सिंह सांगवान और कांशीराम आचार्य ने विचार रखे। जिला प्रधान आरडी शर्मा ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से 24 घंटे के धरने को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पेंशन कोई खैरात नहीं, बल्कि कर्मचारियों का अधिकार है।



ओपन कबड्डी में कन्हौरी की टीम विजेता व खोल बना उपविजेता

रेवाड़ी। क्षेत्र के बाब अहरोड़ ने बाबा भैरो के मेले व भंडारे का आयोजन किया गया। मेले में ओपन कबड्डी प्रतियोगिता में अनेक टीमों ने अपना दमखम दिखाया। ओपन कबड्डी में विजेता कन्हौरी टीम को 21 हजार व उपविजेता को खोल 15 हजार रुपये का नकद इनाम देकर पुरस्कृत किया। इसके अलावा 55 केजी वर्ग में बधराणा प्रथम व बहला की टीम द्वितीय स्थान पर रही। मुख्यतिथि सतपाल सिंह चौहान, विपिन माजरा, मनोज यादव, एडवोकेट अजुन शर्मा व रिटायर्ड प्राचार्य अशोक यादव ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मंदिर के पुजारी नटवर वाल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर काली चरण नंबरदार, पूर्व सरपंच राजेंद्र, पूर्व उपसरपंच भीम सिंह, जितेंद्र मास्टर, मास्टर लक्ष्मण, धर्मपाल, कांशीराम पंच, हवलदार नंदलाल व हलदार सुखराम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यादव सभा के कैप में 112 मरीजों ने कराई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 112 मरीजों को चिकित्सा सेवा प्रदान की गई। शिविर में डा. तरुण यादव ने मेडिसिन, डा. आत्म प्रकाश यादव ने हड्डी रोग, डा. गौरव यादव ने सर्जरी, डा. प्रीति यादव ने नेत्र रोग, डा. अनिल यादव ने दंत रोग व डा. अमन यादव ने स्त्री रोग के मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान कीं। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने फिजियोथेरापी की फ्री कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान कीं। राजेश यादव व पवन कुमार ने मरीजों को दवाई वितरित कीं। कैप के आयोजन में यादव सभा से प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, अमर सिंह, राम सिंह, गोकल राम, शशिभूषण, प्रो. सतीश यादव व कप्तान विजयपाल ने सहयोग दिया।



हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

रेवाड़ी कार्यालय : दूकान नंबर 47, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला रुक्मा रास्ता, नरेंद्र नगर महराणा

प्रयाग चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

आस्था

जागरण में हुड़िया जैतपुर धाम प्रतिमा स्थापित की गई

■ श्रद्धालुओं को छप्पन भोग का प्रसाद वितरित किया गया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रेवाड़ी

सेक्टर-3 मार्केट के दुकानदारों व व्यापारियों की ओर से शनिवार रात्रि काम्प्लेक्स में श्री श्याम बाबा के 11वें जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में हुड़िया जैतपुर धाम से बाबा की प्रतिमा स्थापित की गई। जागरण में आए गायक कलाकारों ने रातभर मनमोहक भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान किया। जागरण में मुम्बई से गायक राम अवतार अग्रवाल, तिजारा राजस्थान से गौरव दत्त, वृंदावन से

सेक्टर-3 मार्केट में जागरण आयोजित, श्याम बाबा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

‘प्यारा सा मुखड़ा घुंघराले केश, कलयुग का राजा खाटू नरेश, हारे का सहारा है मेरा श्याम धनी’....



रेवाड़ी। जागरण में भजन गाते गायक गोपाल वर्मा, गौरव दत्त तथा जागरण में मौजूद श्रद्धालु।

गायिका नीलम, रींगस से संताप व्यास व रेवाड़ी से गायक गोपाल वर्मा ने देर रात तक भजनों से समां बांधे रखा। जागरण में अलवर राजस्थान से विनोद म्यूजिकल ग्रुप ने संगीत दिया। रविवार को श्यामप्रेमियों की ओर से कॉम्प्लेक्स में भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में

श्रद्धालुओं ने बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। जागरण में भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, नवीन पोपली व एडवोकेट प्रवीण शर्मा व सेक्टर-3 मार्केट एसोसिएशन के सदस्यों सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे। गायक गोपाल वर्मा ने गणेश वंदना व हनुमान जी के भजन

सुनाकर जागरण का शुभारंभ किया। गायक ने ‘प्यारा सा मुखड़ा घुंघराले केश, कलयुग का राजा खाटू नरेश, हारे का सहारा है मेरा श्याम धनी’ सहित अनेक भजन सुनाए। इससे बाद तिजारा से गायक गौरव दत्त ने ‘तेरा नाम लेकर जो जिए जा रहा है, तू परवाह उसी की किए जा रहा है’ व ‘हम तो बाबा के

भरोसे चलते है, ये दुनिया वाले जलते है, हम तो बाबा के भरोसे चलते है’ आदि भजनों से समां बांधा। इसके बाद रींगस से संतोष व्यास ने ‘मन की बात सावरियां ने आज सुणा के देख ले, सुपुंसी-सुपुंसी खाटूवाला टेर लगाके देख ले’ भजन से श्रद्धालुओं को समापन पर श्याम बाबा की आरती करते श्रद्धालुओं को छप्पन भोग का प्रसाद वितरित किया गया।

फोटो : हरिभूमि